राष्ट्रीय स्वरूप

मनुष्य अन्य भाषा की अपेक्षा अपनी मातृभाषा में तीव्र गति से सीखता है : कुलपति

15/09/2021

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने हिंदी दिवस के अवसर पर कहा कि देशभर में 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिन हिंदी भाषा की महत्वता और उसकी नितांत आवश्यकता को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि सन 1949 में 14 सितंबर के दिन ही हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा मिला था। जिसके बाद से अब तक हर वर्ष यह दिन हिंदी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि इस दिन को महत्व के साथ याद करना इसलिए जरूरी है क्योंकि अंग्रेजों से आजाद होने के बाद यह देश वासियों की स्वाधीनता की भी एक निशानी है। उन्होंने कहा कि पहला हिंदी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी में भी कार्य ने गति पकड़ी है। विभिन्न प्रकाशन में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी का भी काफी प्रयोग हो

रहा है। साथ ही हिंदी में पत्राचार की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के पोर्टल पर भी हिंदी में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने की बात कही है। जिससे छात्रों को विषय वस्तु समझने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और मनुष्य किसी अन्य भाषा की अपेक्षा अपनी मातृभाषा में तीव्र गति से सीखता है।उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक विकसित देशों में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जाती है एवं उसी में कामकाज किया जाता है।जापान इसका प्रमुख उदाहरण है। जब अन्य देश अपनी मातृभाषा में शिक्षा एवं कामकाज कर सकते हैं। तो हम अपनी मातृभाषा में क्यों नहीं हमें अपनी दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए। कुलपति डॉ सिंह ने कहा कि हिंदी भारत की विभिन्न औपचारिक भाषाओं में एक है।

जन एक्सप्रेस
/janexpresslive
लखनऊ, बुधवार, 15 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 327, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-
www.janexpresslive.com/epaper

मातृभाषा की महत्वता और उसकी नितांत आवश्यकता को याद दिलाता है हिंदी दिवस

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। हिंदी दिवस के अवसर पर मंगलवार को सीएसएयू के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने कहा कि देश भर में 14 सितंबर हिंदी दिवस के रुप में मनाया जाता है यह दिन हिंदी भाषा की महत्वता और उसकी नितांत आवश्यकता को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि सन 1949 में 14 सितंबर के दिन ही हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा मिला था। जिसके बाद से अब तक हर वर्ष यह दिन हिंदी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पहला हिंदी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी में भी कार्य ने गति पकड़ी है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के पोर्टल पर भी हिंदी में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कुलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने की बात कही गई है। जिससे छात्रों को विषय वस्तु समझने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और मनुष्य किसी अन्य भाषा की अपेक्षा अपनी मातृभाषा में तीव्र गति से सीखता है।उन्होंने कहा कि विश्व में अनेक विकसित देशों में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जाती है एवं उसी में कामकाज किया जाता है।जापान इसका प्रमुख उदाहरण है। जब अन्य देश अपनी मातृभाषा में शिक्षा एवं कामकाज कर सकते हैं। तो हम अपनी मातृभाषा में क्यों नहीं हमें अपनी दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

कानपुर, 15 सितंबर, 2021 दैनिक जागरण 7

सीएसए के कुलपति समेत कई विशेषज्ञों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिला अवार्ड

जासं, कानपुर : सीएसए के कुलपति प्रो. डीआर सिंह समेत कई विशेषज्ञों को अवार्ड मिला है। अवार्ड मेरठ के सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया है। वहां 12 और 13 सितंबर को हाईटेक हार्टिकल्चर सोसाइटी की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर आनलाइन ग्लोबल मीट आयोजित हुई। सीएसए के मीडिया प्रभारी डा. खलील खान ने बताया कि कुलपति को आनरेरी फेलोशिप अवार्ड, निदेशक शोध को आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट अवार्ड और डा. संजीव कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ लेखक के अवार्ड से नवाजा गया। निदेशक प्रसार डा. अरविंद कुमार सिंह और डा. मनीष कुमार को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन हार्टिकल्चर अवार्ड से सम्मानित किया। डा. बीके त्रिपाठी को फेलोशिप अवार्ड दिया गया। मेरठ कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आरके मित्तल और केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अरविंद कुमार, कृषि आयुक्त डा. एसके मेहरोत्रा समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

हिन्दुस्तान
कानपुर • बुधवार • 15 सितंबर 2021 • 04

ग्लोबल मीट में सीएसए कुलपति को अवार्ड

कानपुर। ग्लोबल मीट में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति समेत कई वैज्ञानिकों को अलग-अलग अवार्ड से सम्मानित किया गया। 12 व 13 सितंबर को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में हाईटेक हार्टिकल्चर सोसाइटी की ओर से चौथी ग्लोबल मीट का आयोजन किया गया। सीएसए विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह को ऑनरेर फेलोशिप अवार्ड 2020 से नवाजा गया। आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट अवार्ड 2020 शोध निदेशक डॉ. एचजी प्रकाश और सर्वश्रेष्ठ लेखक का अवार्ड डॉ. संजीव कुमार सिंह को मिला।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे 3

वर्ष:12 | अंक:250 | देहरादून, मंगलवार, 14 सितंबर, 2021 | पृष्ठ:08

कुपोषण निवारण जागरूकता दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दीपक मेहरा (जनमत टुडे)

कानपुर: पोषण माह सितंबर 2021 के उपलक्ष्य में भारत के प्रथम जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में कुपोषण निवारण जागरूकता दिवस आंगनवाड़ी केंद्र में मनाया गया कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष डॉ० अशोक कुमार ने कृषक महिलाओं को बताया कि 6 साल तक कि उम्र तक मस्तिष्क का पूर्ण विकास हो जाता है अतः इस उम्र तक उचित पोषण का महत्व है उन्होंने बताया कि मस्तिष्क के विकास में लौह तत्व का बहुत योगदान है अतः इस उम्र के बच्चों को आयरन की पर्याप्त मात्रा देनी चाहिए केंद्र की वैज्ञानिक डॉ निधिलेश वर्मा ने महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उचित पोषण हमारा अधिकार है तो उत्तर दायित्व भी है और महिलाओं को अपनी देखभाल खुद करनी चाहिए प्रतिदिन 150 मि.ली. दूध जरूर लेना चाहिए जिससे कैल्शियम की प्रतिपूर्ति होती है डॉ. वर्मा ने बताया कि भोजन में उपलब्ध पांच पोषक तत्वों में बढ़ते हुए बच्चों में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा पहचाननी चाहिए उन्होंने बताया कि दूध के अलावा बाजरा, रागी, पनीर इत्यादि के व्यंजन भी दिए जाने चाहिए कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ निगिमा अवस्थी ने महिलाओं को बताया कि गर्भावस्था के पोषण महिला के स्वयं स्वस्थ होने वाले पर असर डालता है इसलिए गर्भावस्था में पोषक तत्वों का भोजन में उचित समावेश होना आवश्यक है सामान्य महिला से गर्भवती महिला को आयरन व प्रोटीन की मात्रा अधिक देनी चाहिए कार्यक्रम में डॉ मिथलेश वर्मा ने आंगनवाड़ी केंद्र को सायकिल भेंट की केंद्र के महोदय ने अपने हाथों से एक साइकिल आंगनवाड़ी कार्यकत्री को भेंट की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र कुमार यादव असिस्टेंट रिसोर्स पर्सन रहे आंगनवाड़ी केंद्र की प्रभारी सुषमा ने बताया कि केंद्र में 1–6 साल तक के 43 बच्चे हैं जिनको उचित पोषण हेतु सरकार की तरफ से देशी घी दूध व अन्य पोषणयुक्त आहार दिए जाते हैं उन्होंने बताया कि गर्व की बात है कि इस केंद्र में कोई बच्चा अति कुपोषित या कुपोषित की श्रेणी में नहीं है।

वर्ष 15 अंक 253 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 15 सितंबर 2021

कानपुर व ओरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,एटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज -8 हम खिलाड़ियों को एक सीमा तक ही

ग्लोबल मीट में सीएसए के वैज्ञानिकों को मिले अवार्ड

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु दिनांक 12 एवं 13 सितंबर 2021 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ में हाई टेक हॉर्टिकल्चर सोसायटी द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर चौथी ग्लोबल मीट के अवसर पर विभिन्न अवार्ड से नवाजा गया। जिसमें ऑनरेरी फेलोशिप अवार्ड 2020 कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह को दिया गया। जबकि आउटस्टैंडिंग साईंटिस्ट अवार्ड 2020 निदेशक शोध डॉक्टर जी प्रकाश को दिया गया सर्वश्रेष्ठ लेखक का अवार्ड डॉ संजीव कुमार सिंह को दिया गया। निदेशक प्रसार डॉ अरविंद कुमार सिंह एवं डॉ मनीष कुमार को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन हॉर्टिकल्चर एवार्ड तथा डॉ बीके त्रिपाठी विभागाध्यक्ष को फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर कुलपति डॉ आरके मित्तल ने बढ़ती हुई जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन मूल्य पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया इस कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति डॉक्टर आरके मित्तल ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डॉ अरविंद कुमार, कृषि आयुक्त भारत सरकार डॉ एसके मेहरोत्रा, चिकित्सा विश्वविद्यालय सैफई के कुलपति डॉ राजकुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जन एक्सप्रेस

janexpresslive

लखनऊ, बुधवार, 15 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 327, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

www.janexpresslive.com/epaper

औषधीय पौधों का किया रोपड़

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। यति संकल्प संस्थान के तत्वाधान में नारायणी देवी सनातन धर्म विद्यालय तत्यागंज बिल्हौर कानपुर नगर में मॉडल औषधीय उद्यान विकसित करने के लिए औषधीय पौधों का रोपड़ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें 50 औषधि प्रजाति के 110 पौधे लगाए गए। सीएसएयू के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष क्षेत्र संघचालक आर. एस. एस वीरेंद्रजीत सिंह ने पांच पांच औषधीय पौधे रोपित किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने कहा कि प्रकृति ही हमारी धरोहर है। इसका संरक्षण करना ही सेवा है। उन्होंने कोरोना काल मे ऑक्सीजन की कमी के बारे में बताते हुए कहा कि पेड़ों का हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यति संकल्प संस्थान के माध्यम से नीतू सिंह द्वारा लगातार शिक्षा, सेवा, स्वालम्बन जैसे प्रकल्प को संचालित कर समाज हित मे अनवरत कार्य किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि आर. एस. एस. के सह प्रान्त प्रचारक रमेश जी ने कहा कि औषधीय पादपों के निरन्तर उपयोग के कारण इनका संरक्षण एवं उत्पादन करना आज के परिवेश में आवश्यक हो गया है। औषधीय पौधों का उपयोग अनेक रोगों को ठीक करने में किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन अंशु ठाकुर ने किया। इस अवसर पर सुरेंद्र ककड़, सदस्य सुनील बाजपेई, डॉ. एन. पी.सिंह, एस. डी. कालेज के प्राचार्य अशोक तिवारी, शुशील यादव सहित 50 गांवों के प्रधान, ग्राम वासी मौजूद रहें।